पूर्व सेना प्रमुख आईआईएम स्टूडेंट्स से बोले- बदल रहा है भारत, देश को अच्छे लीडर की जरूरत

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

शुरुआती दिनों की बात है, जब हमारी यूनिट को रेड फोर्ट में तैनात किया गया था। आधी यूनिट को सिक्युरिटी और आधी यूनिट को सेरेमोनियल एक्टिविटीज के लिए भेज दिया गया। जहां जवानों के लिए खाने की व्यवस्था थी, वहां मुझे भेजा गया। मेरी मुलाकात हरिशंकर मंडल से हुई। उनसे पूछा खाना कैसा है? तो उन्होंने जवाब दिया- मोटा-माटी। यह सुन कर मुझे लगा कि खाने में मिट्टी है। इसकी जानकारी मैंने अपने प्रमुख को दी। उन्होंने बताया कि यह बांग्ला भाषा है, जिसका मतलब ठीक-ठाक होता है। इस वाकया ने मुझे कम्युनिकेशन के महत्व को समझाया। ये बातें केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने आईआईएम के स्टूडेंट्स से कहीं। मौका था आईआईएम में आयोजित भारत के मन की बात, जनरल वीके सिंह के साथ कार्यक्रम का। इस कार्यक्रम में आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. डॉ. शैलेंद्र सिंह, रांची यूनिवर्सिटी के वीसी रमेश कुमार पांडेय, रांची की मेयर आशा लकड़ा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

आईआईएम में मन की बात... कम्युनिकेशन का क्या महत्व है, एक प्रसंग से समझाया

आईआईएम में मन की बात कार्यक्रम में संस्थान के स्टूडेंट्स को संबोधित करते जनरल वीके सिंह। उन्होंने गवर्नेंस के बारे में भी स्टूडेंट्स को बताया।

अगर आप किसी काम को बिना डर व दबाव के करा लेते हैं, तो अच्छे लीडर

जनरल वीके सिंह ने अपने संबोधन में कम्युनिकेशन की क्या महत्ता है, इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर हमें कहीं अपनी जगह बनानी है, तो उसके लिए कम्युनिकेशन बहुत ही जरूरी और अच्छा जरिया है। लीडरशिप के बारे में उन्होंने कहा कि अगर आप किसी काम को बिना डर और दबाव बनाए करा लेते हैं, तो आप एक अच्छे लीडर हैं। एक अच्छा लीडर बनने के लिए बहुत कुछ सीखने की जरूरत होती है। भारत बदल रहा है और भारत को लीडर चाहिए अच्छे मैनेजर के साथ। कल आपका है, आपको कोई नहीं रोक सकता। आप क्या करना चाहते हैं, क्या बनना चाहते हैं, इस पर क्लीयर रहें। इसके अलावा उन्होंने पॉलिसी और गवर्नेंस के बारे में भी स्टूडेंट्स को बताया। इस अवसर पर अटल बिहारी बाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस का उद्घाटन किया गया।

Dainik Bhaskar, 06.03.2019, Pg. 6